



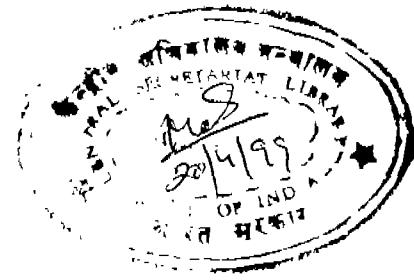
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 58]
No. 58]

नई दिल्ली, भैंगलबार, फरवरी 9, 1999/माघ 20, 1920
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 9, 1999/MAGHA 20, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1999

सं. 7/99-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.)

सा. का. नि. 78(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (तीसरा संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में,—

(क) नियम 57छ में, उपनियम (10) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(11) उपनियम (2) के अधीन प्रत्यय को इस आधार पर नामंजूर नहीं किया जाएगा कि—

(i) उपनियम (3) में उल्लिखित किसी दस्तावेज में इन नियमों के अधीन उसमें अंतर्विष्ट होने के लिए अपेक्षित विशिष्टियाँ नहीं हैं, यदि ऐसे दस्तावेज में शुल्क के संदाय के ब्यौरे, माल का वर्णन, निर्धारणीय मूल्य, कारखाने या भाण्डागार का नाम और पता अंतर्विष्ट है;

(ii) उपनियम (1) के अधीन फाइल की गई घोषणा में उसमें अंतर्विष्ट होने के लिए अपेक्षित ब्यौरे नहीं हैं या विनिर्माता उपनियम (1) के अधीन किसी अन्य अपेक्षा का अनुपालन करने में असफल रहता है;

परन्तु यह कि प्रत्यय लेने के लिए आशयित विनिर्माता के कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि निवेश पर देय शुल्क का संदाय कर दिया गया है और ऐसे निवेशों का अंतिम उत्पादों के निर्माण में वास्तविक रूप से उपयोग कर लिया गया है या उपयोग किया जाना है और ऐसा सहायक आयुक्त प्रत्यय को नामंजूर करने के कारणों को प्रत्येक दशा में लेखबद्ध करेगा।

(ख) नियम 57न में, उपनियम (12) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(13) उपनियम (6) के अधीन प्रत्यय को इस आधार पर नामंजूर नहीं किया जाएगा कि—

- (i) नियम 57छ के उपनियम (3) के अधीन विनिर्दिष्ट किसी दस्तावेज में, इन नियमों के अधीन उसमें अंतर्विष्ट होने के लिए अपेक्षित सभी विशिष्टियां नहीं हैं, यदि ऐसे दस्तावेज में शुल्क के संदाय के ब्यौरे, पूँजी माल का वर्णन, निर्धारणीय मूल्य, कारखाने या भाण्डागार का नाम और पता अंतर्विष्ट है;
- (ii) उपनियम (1) के अधीन फाइल की गई घोषणा में उसमें अंतर्विष्ट होने के अपेक्षित सभी ब्यौरे नहीं हैं या विनिर्माता उपनियम (1) के अधीन किसी अन्य अपेक्षा का अनुपालन करने में असफल रहता है।

परन्तु अह कि प्रत्यय लेने के लिए आशयित विनिर्माता के कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि पूँजी माल पर देय शुल्क का संदाय कर दिया गया है और ऐसे पूँजी माल का अंतिम उत्पादों के विनियाण में वास्तविक रूप से उपयोग कर लिया गया है या उपयोग किया जाना है और ऐसा सहायक आयुक्त प्रत्येक मामले में प्रत्यय को मंजूर करने के कारणों को लेखबद्ध करेगा।

[फा. सं. 267/102/98-सी एक्स 8]

एस. के. सिंहा, अवर सचिव

टिप्पण :— मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. 11/डी.-सी. ई., तारीख 26-2-1944 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 4/99-क. ऊ. रा. (एन. टी.) तारीख 13-1-1999 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th February, 1999

No. 7/99-CE (NT)

G.S.R. 78(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (3rd Amendment) Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944,—

(a) in rule 57G, after sub-rule (10), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(ii) Credit under sub-rule (2) shall not be denied on the grounds that—

- (i) any of the documents, mentioned in sub-rule (3) does not contain all the particulars required to be contained therein under these rules, if such document contains details of payment of duty, description of the goods, assessable value, name and address of the factory or warehouse;
- (ii) the declaration filed under sub-rule (1) does not contain all the details required to be contained therein or the manufacturer fails to comply with any other requirements under sub-rule (1) :

Provided that the Assistant Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the factory of manufacturer intending to take credit is satisfied that duty due on the inputs has been paid and such inputs have actually been used or are to be used in the manufacture of final products, and such Assistant Commissioner shall record the reasons for not denying the credit so in each case.” :

(b) in rule 57T, after sub-rule (12), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(13) Credit under sub-rule (6) shall not be denied on the grounds that—

- (i) any of the documents specified under sub-rule (3) of rule 57G does not contain all the particulars required to be contained therein under these rules, if such document contains details of payment of duty, description of the capital goods, assessable value, name and address of the factory or warehouse;
- (ii) the declaration filed under sub-rule (1) does not contain all the details required to be contained therein or the manufacturer fails to comply with any other requirements under sub-rule (1) :

Provided that the Assistant Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the factory of the manufacturer intending to take credit is satisfied that the duty due on the capital goods have been paid and such capital goods have actually been used or are to be used in the manufacture of final products, and such Assistant Commissioner shall record the reasons for not denying the credit so in each case.”

[F. No. 267/102/98-CX. 8]

S. K. SINHA, Under Secy.

Note : The Principal rules were published in the Gazette of India vide notification No. IV D-C.E., dated 28-02-1944 and were lastly amended vide notification No. 4/99-CE(NT) dated 13-1-1999.